No. of Printed Pages : 8

MHI-006

MASTER OF ARTS (HISTORY) (MAH)

Term-End Examination

June, 2020

MHI-006 : EVOLUTION OF SOCIAL STRUCTURES IN INDIA THROUGH THE AGES

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Answer any **five** questions in about **500** words each. Attempt at least **two** questions from each Section. All questions carry equal marks.*

Section—A

1. Why is interpretation important in history ? Write a short note on studying archaeology. 20

2. Critically examine the role of rituals in the Vedic texts. 20

3. Discuss the emergence of guilds in the early historic period. What was their structure and organization ? 20

4. Examine the proliferation of castes (jatis) in the early medieval period. Was it limited to one particular region of the subcontinent ? 20

5. Write short notes on any ***two*** the following in about **250** words each : 10 each

   (a) Social structure of early food producing societies

   (b) Ajivikas and Lokayats

   (c) Tinai concept

   (d) Role of temples in the early medieval period in the peninsular India

Section—B

6. Who were Balutedars ? Examine their position in the rural society. 20

7. Examine the interpretations of B. D. Chattopadhyaya and Norman Ziegler on the formation of Rajputs as a group. 20

8. 'Caste is the invention of colonial modernity or a legacy of Brahmanical traditions.' Comment. 20

9. Comment on the making of 'Criminal Tribe' ideology. What were the provisions of Criminal Tribes Act (1871) ? 20

10. Write short notes on any ***two*** of the following in about **250** words each : 10 each

    (a) Historiographical debates pertaining to the medieval Indian rural society

(b) Political role of the Sufis in the Deccan

(c) International migrations in the 19th century

(d) 19th century Social Reforms

MHI-006

स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए.एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2020

एम.एच.आई.-006 : भारत में सामाजिक संरचनाओं का युगों से होता हुआ विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक खण्ड में से कम से कम **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

खण्ड—क

1. इतिहास में व्याख्या का क्या महत्व है ? पुरातत्व के अध्ययन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए। 20

2. वैदिक साहित्य में अनुष्ठानों की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

3. प्रारम्भिक मध्यकाल में श्रेणियों के उदय की चर्चा कीजिए। उनकी संरचना तथा संगठन क्या था ? 20

4. प्रारम्भिक मध्यकाल में जातियों के प्रसार का परीक्षण कीजिए। क्या यह उपमहाद्वीप के किसी विशेष क्षेत्र तक सीमित था ? 20

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : प्रत्येक 10

(क) प्रारम्भिक खाद्य उत्पादन समाजों की सामाजिक संरचना

(ख) अजीविका तथा लोकायत

(ग) तिनई अवधारणा

(घ) प्रायद्वीपीय भारत में प्रारम्भिक मध्यकाल में मंदिरों की भूमिका

खण्ड—ख

6. बलूतेदार कौन थे ? ग्रामीण समाज में उनकी भूमिका का परीक्षण कीजिए।

7. राजपूतों के एक समूह के रूप में आविर्भाव पर बी. डी. चट्टोपाध्याय तथा नॉर्मन जिगलर के मतों का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। 20

8. 'जाति औपनिवेशिक आधुनिकतावाद की कल्पना थी या ब्राह्मणवादी परम्परा की विरासत।' टिप्पणी कीजिए। 20

9. 'आपराधिक जनजाति' की अवधारणा के सृजन पर टिप्पणी कीजिए। क्रिमिनल ट्राइब एक्ट (1871) की प्रमुख धाराएँ क्या थीं ? 20

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250** शब्दों में (प्रत्येक) संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : 10

(क) मध्यकालीन भारतीय ग्रामीण समाज संबंधी ऐतिहासिक विवाद

(ख) दक्खन में सूफियों की राजनीतिक भूमिका

(ग) 19वीं शताब्दी में अन्तर्राष्ट्रीय प्रवास

(घ) 19वीं शताब्दी में सामाजिक सुधार